Report

केन्द्रीय सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्रालय, भारत सरकार का स्वायतशासी संस्थान राष्ट्रीय सामाजिक रक्षा संस्थान, नयी दिल्ली (National Institute of Social Defence,New Delhi)द्वारा उत्तराखंड मुक्त विश्वविद्यालय हल्द्वानी के सहयोग से "**To prevent alcohol and drug abuse in the family, schools/college and community"**नामक विषय पर दिनांक 29/03/2019 को कार्यशाला का आयोजन कुमाऊँ विश्वविद्यालय के सोबन सिंह जीना, परिसर अल्मोड़ा मे किया गया। कार्यशाला का उद्घाटन अल्मोड़ा परिसर की राष्ट्रीय सेवा योजना प्रभारी डॉ ममता असवाल और उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय के विशिष्ट शिक्षा विभाग के समन्वयक डॉ सिद्धार्थ पोखरियाल ने किया |

डॉ कौशल ने अपने संबोधन में कहा कि युवा पीढ़ी को मद्यपान एवं नशे से अपने को दूर करना होगा जिससे ऊर्जा सकारात्मक कार्यो मे लगी रहे | हमारे शरीर के महत्वपूर्ण अंग किडनी –लीवर काम करना बंद कर देते हैं| साथ ही आदमी का मस्तिष्क काम करना बंद कर देता है | डॉ साक्षी तिवारी ने कहा कि शराब एवं नशे के कारण गाँव में युवा

पीढ़ी व्यसन की और ब□रही है | शिक्षा के माध्यम से लोगो को जागरूक किया जाना जरूरी है | प्रतिदिन शराब पीने के कारण परिवार में कलह की बातें आये दिन समाचारों में सुनने और प□ने को मिल रही है जोकि चिंताजनक है| वर्तमान में जनचेतना और शराब विरोधी आन्दोलन से इससे छुटकारा पाया जा सकता है|साथ ही मुक्त विश्वविद्यालय शिक्षा के माध्यम से इस प्रकार की कुरीतियों को समाप्त करने में सराहनीय प्रयास कर रहा है | डॉ ममता असवाल ने कहा कि शराब के कारण केवल एक व्यक्ति नही बल्कि पूरा परिवार दुखी एवं परेशान होता है| मद्यपान एवं नशा के ब□ते प्रभाव पर रोक लगाने की आवश्यकता पर बल दिया |

कार्यशाला संयोजक डॉ० सिद्धार्थ पोखरियाल द्वारा अपने उद्बोधन में कार्यशाला का उद्देश्य मद्यपान एवं नशा के ब□ते प्रभाव पर रोक लगाने और युवा पीढ़ी को नशे एवं शराब की गिरफ्त में फंसने से बचाना है| नशे में लिप्त व्यक्ति को समाज और परिवार के लिए दुखदायी बताया और वर्तमान पीढ़ी को शराब व नशे के खिलाफ एकजुट होने का आह्वान किया | साथ ही राज्य में हुए शराब बंदी को लेकर विभिन्न आन्दोलनों की जानकारी दी | राष्ट्रीय समाज संस्थान नई दिल्ली के सहयोग से मुक्त विश्वविद्यालय द्वारा अभी तक राज्य में पूर्व में आयोजित कार्यशाळा की जानकारी दी|

कार्यशाला में श्री तरुण नेगी द्वारा छात्रों को नशे के प्रभावों व उनसे बचाव के बारे में बताया गया और साथ ही नशा मुक्ति केन्द्रों के क्रियाकलापों का ज्ञान दिया गया|

|

प्रतिभागी छात्रा पूजा नेगी द्वारा कार्यशाला को उपयोगी बताते हुए सभी प्रतिभागियों से समाज के प्रत्येक व्यक्ति तक शराब एवं नशे से परिवार , समाज एवं विद्यालय पर पड़ने वाले दुष्प्रभाव को बताने की अपील की गयी| कार्यशाला में अल्मोड़ा क्षेत्र के कॉलेज के शिक्षकों सहित छात्र-छात्राये उपस्थित रहे|

'व्यक्ति की सोचने की शक्ति को क्षीण कर देता है नशा'

नशे के दुष्प्रभावों को लेकर एसएसजे परिसर में आयोजित हुई कार्यशाला

अमर उजाला ब्यूरो

अल्मोड़ा। उत्तराखंड मुक्त विश्वविद्यालय हल्द्वानी और राष्ट्रीय सामाजिक सुरक्षा संस्थान नई दिल्ली के सहयोग से नशे और शराब का परिवार, समाज और विद्यालयों पर पड़ने वाले दुष्प्रभाव विषय पर एसएसजे परिसर अल्मोड़ा में आयोजित कार्यशाला में वक्ताओं ने कहा कि नशे के सेवन से शरीर के साथ मस्तिष्क पर भी दुष्प्रभाव पड़ता है और व्यक्ति की सोचने-समझने की शक्ति क्षीण हो जाती है।

डॉ. कौशल ने कहा शराब और नशे के सेवन से हमारे शरीर के साथ-साथ मस्तिष्क पर भी दुष्प्रभाव पड़ता है। नशा व्यक्ति को चेतना शून्य बना देता है। मुख्य वक्ता डॉ. ममता ने कहा कि शराब के कारण व्यक्ति ही नहीं बल्कि पूरा परिवार नष्ट हो जाता है। लोग उत्सव और समारोहों में शराब के प्रचलन को बढ़ावा दे रहे हैं जो कि समाज के लिए नुकसानदायक है। डॉ. सिद्धार्थ पोखरियाल ने कहा कि वर्तमान में शराब के कारण पहाड़ों में अपराध बढ़ रहे हैं।

जिसका कारण जनचेतना की कमी और शिक्षा का अभाव है। डॉ. साकल्यी तिवारी ने बताया कि शिक्षा के माध्यम से ही नशे और शराब से संबंधित बुराइयों को दूर किया जा सकता है।

इससे पहले कार्यशाला का उद्घाटन राष्ट्रीय सेवा योजना प्रभारी डॉ. ममता और डॉ. सिद्धार्थ पोखरियाल द्वारा किया गया। तरुण नेगी ने सभी अतिथियों और प्रतिभागियों को धन्यवाद दिया। इस अवसर पर छात्रों ने शराबबंदी पर एक नाटक प्रस्तुत किया। प्रतिभागी छात्रा पूजा नेगी ने कार्यशाला को उपयोगी बताते हुए नशे से दूर रहने की अपील की। कार्यशाला में स्थानीय विद्यालयों में अध्ययनरत कई छात्र-छात्राएं मौजूद थीं।